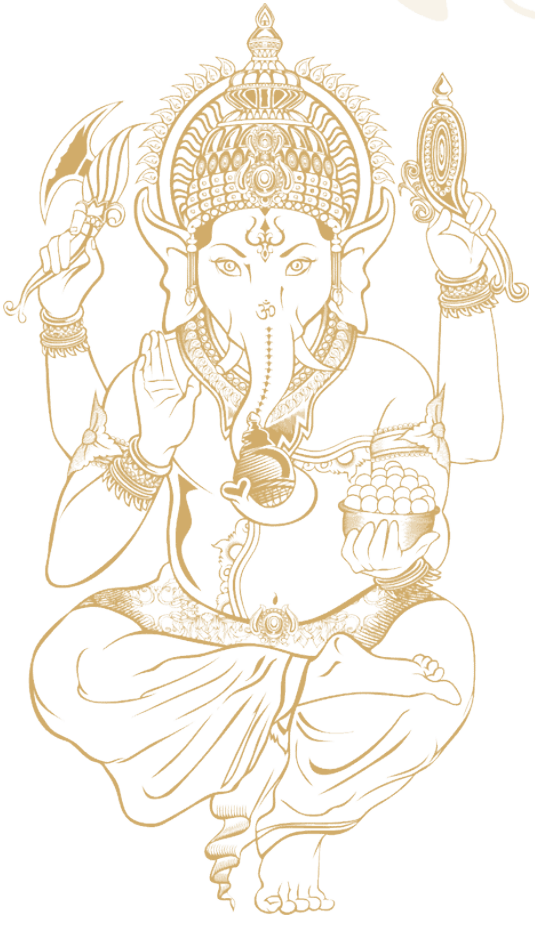

Rahul hada

20 Mar 1995

06:30 PM

Jhalawar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121005604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/03/1995**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:30:00 घंटे**
इष्ट	29:58:56 घटी
स्थान	**Jhalawar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	76:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:04:36 घंटे
वेलान्तर	-00:07:40 घंटे
साम्पातिक काल	05:54:58 घंटे
सूर्योदय	06:30:25 घंटे
सूर्यास्त	18:36:05 घंटे
दिनमान	12:05:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	05:39:32 मीन
लग्न के अंश	05:03:49 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	हर्षण
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:03:49	328:16:48	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			मीन	05:39:32	00:59:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			तुला	21:51:53	14:23:11	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल	व		कर्क	19:28:48	00:03:07	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध			कुंभ	14:36:09	01:33:03	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	21:21:58	00:02:14	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मक	27:02:40	01:11:28	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	22:59:13	00:07:15	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	स्वराशि
राहु			तुला	12:12:31	00:00:51	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु			मेष	12:12:31	00:00:51	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मक	05:49:24	00:02:11	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:21:21	00:01:14	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:44:05	00:00:33	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मिथु	05:03:12	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:35

लग्न-चलित

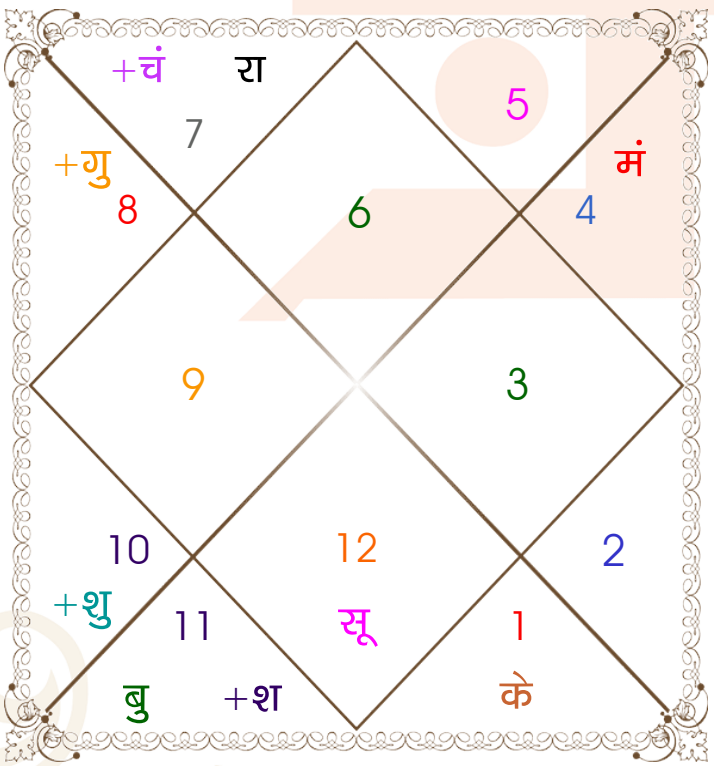

चन्द्र कुंडली

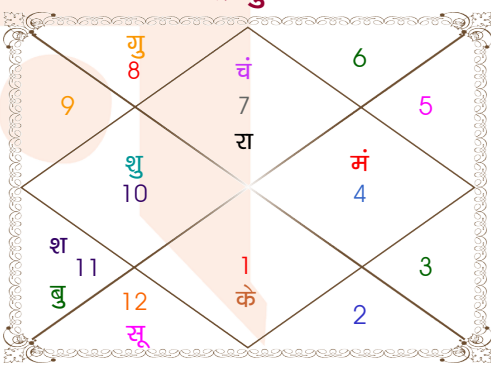

नवमांश कुंडली

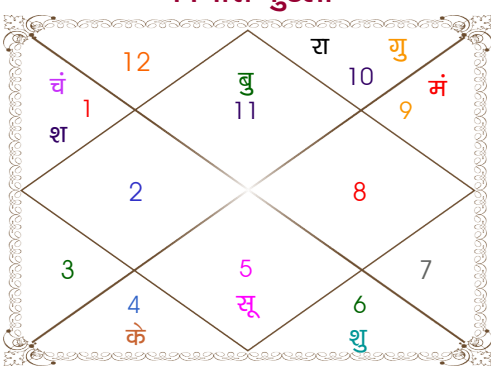

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 9 मास 4 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
20/03/1995		23/12/2008		24/12/2027		23/12/2044		24/12/2051	
23/12/2008		24/12/2027		23/12/2044		24/12/2051		24/12/2071	
	20/03/1995	शनि	27/12/2011	बुध	21/05/2030	केतु	21/05/2045	शुक्र	24/04/2055
शनि	23/08/1997	बुध	05/09/2014	केतु	19/05/2031	शुक्र	21/07/2046	सूर्य	23/04/2056
बुध	29/11/1999	केतु	15/10/2015	शुक्र	18/03/2034	सूर्य	26/11/2046	चंद्र	23/12/2057
केतु	04/11/2000	शुक्र	14/12/2018	सूर्य	23/01/2035	चंद्र	27/06/2047	मंगल	22/02/2059
शुक्र	06/07/2003	सूर्य	26/11/2019	चंद्र	23/06/2036	मंगल	23/11/2047	राहु	22/02/2062
सूर्य	23/04/2004	चंद्र	27/06/2021	मंगल	21/06/2037	राहु	11/12/2048	गुरु	23/10/2064
चंद्र	23/08/2005	मंगल	05/08/2022	राहु	08/01/2040	गुरु	17/11/2049	शनि	24/12/2067
मंगल	30/07/2006	राहु	11/06/2025	गुरु	15/04/2042	शनि	26/12/2050	बुध	24/10/2070
राहु	23/12/2008	गुरु	24/12/2027	शनि	23/12/2044	बुध	24/12/2051	केतु	24/12/2071

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
24/12/2071		23/12/2077		24/12/2087		23/12/2094		24/12/2112	
23/12/2077		24/12/2087		23/12/2094		24/12/2112		00/00/0000	
सूर्य	11/04/2072	चंद्र	24/10/2078	मंगल	21/05/2088	राहु	05/09/2097	गुरु	11/02/2115
चंद्र	11/10/2072	मंगल	25/05/2079	राहु	08/06/2089	गुरु	29/01/2100	शनि	21/03/2115
मंगल	16/02/2073	राहु	22/11/2080	गुरु	15/05/2090	शनि	06/12/2102		00/00/0000
राहु	10/01/2074	गुरु	24/03/2082	शनि	24/06/2091	बुध	25/06/2105		00/00/0000
गुरु	30/10/2074	शनि	24/10/2083	बुध	20/06/2092	केतु	13/07/2106		00/00/0000
शनि	12/10/2075	बुध	24/03/2085	केतु	16/11/2092	शुक्र	13/07/2109		00/00/0000
बुध	17/08/2076	केतु	23/10/2085	शुक्र	17/01/2094	सूर्य	07/06/2110		00/00/0000
केतु	23/12/2076	शुक्र	24/06/2087	सूर्य	24/05/2094	चंद्र	06/12/2111		00/00/0000
शुक्र	23/12/2077	सूर्य	24/12/2087	चंद्र	23/12/2094	मंगल	24/12/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 9 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।